संख्या–5/बजट 1–03/2017 सा0–.....06.......

बिहार सरकार

सामान्य प्रशासन विभाग

स्पीड पोस्ट

प्रेषक,

दयानिधान पाण्डेय,
भा0प्र0से0
सरकार के अपर सचिव।

सेवा में,

जिला पदाधिकारी,
पश्चिमी चम्पारण (बेतिया)।

पटना, दिनांक– 8-5- 2017

विषयः– बजट मुख्य शीर्ष 2053–जिला प्रशासन–00–094–अन्य स्थापनाएँ–0001– अनुमंडलीय स्थापना (विपत्र कोड 33-2053000940001) मांग संख्या–33 के अन्तर्गत 13 02 वाहन का ईंधन एवं रख–रखाव विषय शीर्ष में वित्तीय वर्ष 2017–18 में व्यय के लिये कुल ₹ 1,74,500/– (एक लाख चौहत्तर हजार पाँच सौ रूपये) मात्र का आवंटन।

प्रसंगः– आपका पत्रांक 54 दिनांक 15.04.2017.

महाशय,

उपर्युक्त विषयांकित प्रसंगाधीन पत्र के आलोक में बजट मुख्य शीर्ष 2053–जिला प्रशासन–00–094–अन्य स्थापनाएँ–0001– अनुमंडलीय स्थापना (विपत्र कोड 33-2053000940001) मांग संख्या–33 के अन्तर्गत 13 02 वाहन का ईंधन एवं रख–रखाव विषय शीर्ष में वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017–18 में व्यय के लिये कुल ₹ 1,74,500/– (एक लाख चौहत्तर हजार पाँच सौ रूपये) मात्र आवंटित किया जाता है।

2. यह आवंटन वित्त विभाग के पत्रांक 428 दिनांक 31.03.2017 के आलोक में दिया जा रहा है।

3. राशि का व्यय वित्त विभाग के परिपत्र संख्या–2561 दिनांक 17 अप्रैल 1998 एवं एतद् संबंधी अन्य पत्रों के आलोक में किया जायेगा।

4. आवंटित राशि का भुगतान पूरी छानबीन एवं जाँच पड़ताल के बाद नियमित रूप से नियुक्त कर्मी को ही किया जाय। यदि कोई छद्मपूर्ण या अनियमित निकासी होती है तो इसकी पूरी जिम्मेवारी निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी की होगी।

5. कोषागार में प्रस्तुत किये जाने वाले सभी विपत्रों पर मुख्य शीर्ष/लघुशीर्ष/उपशीर्ष/प्राथमिक इकाई आदि की स्पष्ट मुहर, इकाईयों का कोड, विपत्र कोड एवं मांग संख्या अनिवार्य रूप से अंकित की जाये ताकि महालेखाकार के कार्यालय में लेखा संधारण समुचित ढंग से हो सके।

6. बिहार वित्तीय नियमावली, बजट मैनुअल तथा अन्य सुसंगत प्रावधानों तथा समय–समय पर निर्गत आदेशों का दृढतापूर्वक पालन किया जाये ताकि व्यय पर वास्तविक रूप से नियंत्रण रखा जा सके।

7. किसी भी परिस्थिति में आवंटन दिये जाने का अर्थ व्यय की स्वीकृति नहीं समझा जाये तथा भुगतान के औचित्य से पूर्णतः संतुष्ट होने के उपरान्त ही भुगतान की कार्रवाई की जाये। तदनुसार भुगतान सुनिश्चित करना संबंधित पदाधिकारी की व्यक्तिगत जिम्मेवारी होगी।

8. नियमानुसार स्रोत पर अनुमान्य कटौती करना तथा उसके लिए आवश्यक प्रमाण पत्र निर्गत करना संबंधित निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी/भुगतान करने वाले पदाधिकारी की जिम्मेवारी होगी।

9. आवंटित राशि की मासिक व्यय विवरणी प्रत्येक माह की पाँचवी तारीख तक एवं त्रैमासिक व्यय विवरणी नियमित रूप से मुख्यालय को भेजना सुनिश्चित किया जाये।

कृ0पृ0उ0

10. इसकी सूचना महालेखाकार (ले० एवं ह०), बिहार, वीरचन्द पटेल पथ, पटना को भी दी जा रही है।

11. आवंटित राशि का विचलन अन्य इकाई में अनुमान्य नहीं है।

12. उपर्युक्त आवंटित राशि के अतिरिक्त राशि की मांग के साथ संबंधित विषय शीर्ष में कुल आवंटित राशि, अद्यतन व्यय, अवशेष राशि एवं अभ्युक्ति अवश्य अंकित की जाय।

विश्वासभाजन

(दयानिधान पाण्डेय)
सरकार के अपर सचिव

Des/bir/Alot-94/latter/p-4

संख्या–5/बजट 1–03/2017 सा0–....................

बिहार सरकार

सामान्य प्रशासन विभाग

स्पीड पोस्ट

प्रेषक,

दयानिधान पाण्डेय,
भा0प्र0से0
सरकार के अपर सचिव।

सेवा में,

जिला पदाधिकारी,
पश्चिमी चम्पारण (बेतिया)।

पटना, दिनांक– 2017

विषयः– बजट मुख्य शीर्ष 2053–जिला प्रशासन–00–094–अन्य स्थापनाएँ–0001– अनुमंडलीय स्थापना (विपत्र कोड 33-2053000940001) मांग संख्या–33 के अन्तर्गत 13 02 वाहन का ईधन एवं रख–रखाव विषय शीर्ष में वित्तीय वर्ष 2017–18 में व्यय के लिये कुल ₹ 1,74,500/– (एक लाख चौहत्तर हजार पाँच सौ रूपये) मात्र का आवंटन।

प्रसंगः– आपका पत्रांक 54 दिनांक 15.04.2017.

महाशय,

उपर्युक्त विषयांकित प्रसंगाधीन पत्र के आलोक में बजट मुख्य शीर्ष 2053–जिला प्रशासन–00–094–अन्य स्थापनाएँ–0001– अनुमंडलीय स्थापना (विपत्र कोड 33-2053000940001) मांग संख्या–33 के अन्तर्गत 13 02 वाहन का ईंधन एवं रख–रखाव विषय शीर्ष में वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017–18 में व्यय के लिये कुल ₹ 1,74,500/– (एक लाख चौहत्तर हजार पाँच सौ रूपये) मात्र आवंटित किया जाता है।

2. यह आवंटन वित्त विभाग के पत्रांक 428 दिनांक 31.03.2017 के आलोक में दिया जा रहा है।

3. राशि का व्यय वित्त विभाग के परिपत्र संख्या–2561 दिनांक 17 अप्रैल 1998 एवं एतद् संबंधी अन्य पत्रों के आलोक में किया जायेगा।

4. आवंटित राशि का भुगतान पूरी छानबीन एवं ज़ाँच पड़ताल के बाद नियमित रूप से नियुक्त कर्मी को ही किया जाय। यदि कोई छद्मपूर्ण या अनियमित निकासी होती है तो इसकी पूरी जिम्मेवारी निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी की होगी।

5. कोषागार में प्रस्तुत किये जाने वाले सभी विपत्रों पर मुख्य शीर्ष/लघुशीर्ष/उपशीर्ष/प्राथमिक इकाई आदि की स्पष्ट मुहर, इकाईयों का कोड, विपत्र कोड एवं मांग संख्या अनिवार्य रूप से अंकित की जाये ताकि महालेखाकार के कार्यालय में लेखा संधारण समुचित ढंग से हो सके।

6. बिहार वित्तीय नियमावली, बजट मैनुअल तथा अन्य सुसंगत प्रावधानों तथा समय–समय पर निर्गत आदेशों का दृढतापूर्वक पालन किया जाये ताकि व्यय पर वास्तविक रूप से नियंत्रण रखा जा सके।

7. किसी भी परिस्थिति में आवंटन दिये जाने का अर्थ व्यय की स्वीकृति नहीं समझा जाये तथा भुगतान के औचित्य से पूर्णतः संतुष्ट होने के उपरान्त ही भुगतान की कार्रवाई की जाये। तदनुसार भुगतान सुनिश्चित करना संबंधित पदाधिकारी की व्यक्तिगत जिम्मेवारी होगी।

8. नियमानुसार स्रोत पर अनुमान्य कटौती करना तथा उसके लिए आवश्यक प्रमाण पत्र निर्गत करना संबंधित निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी/भुगतान करने वाले पदाधिकारी की जिम्मेवारी होगी।

9. आवंटित राशि की मासिक व्यय विवरणी प्रत्येक माह की पाँचवी तारीख तक एवं त्रैमासिक व्यय विवरणी नियमित रूप से मुख्यालय को भेजना सुनिश्चित किया जाये।

कृ0पृ0उ0

10. इसकी सूचना महालेखाकार (ले0 एवं ह0), बिहार, वीरचन्द पटेल पथ, पटना को भी दी जा रही है।

11. आवंटित राशि का विचलन अन्य इकाई में अनुमान्य नहीं है।

12. उपर्युक्त आवंटित राशि के अतिरिक्त राशि की मांग के साथ संबंधित विषय शीर्ष में कुल आवंटित राशि, अद्यतन व्यय, अवशेष राशि एवं अभ्युक्ति अवश्य अंकित की जाय।

विश्वासभाजन

ह0/—

(दयानिधान पाण्डेय)

सरकार के अपर सचिव

ज्ञापांक—5/बजट 1—03/2017 सा0—......06...... / पटना, दिनांक— 8-5- 2017

प्रतिलिपि :— महालेखाकार बिहार, पटना/कोषागार पदाधिकारी, पश्चिमी चम्पारण (बेतिया) को सूचनार्थ एंव आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

सरकार के अपर सचिव